भारत – इंडोनेशिया संबंध

भारत और इंडोनेशिया के बीच दो सहस्त्राब्दियों से घनिष्ठ सांस्कृतिक एवं वाणिज्यिक संबंध रहे हैं। भारत के समद्री तटों से हिंदू, बौद्ध धर्म और फिर आगे चलकर मुस्लिम धर्म इंडोनेशिया पहुंचा। इंडोनेशिया की लोक कला तथा नाटक रामायण और महाभारत नामक महान महाकाव्यों की कहानियों पर आधारित हैं। साझी संस्कृति, उपनिवेशी इतिहास तथा आजादी के बाद राजनीतिक संप्रभुता, आर्थिक आत्म निर्भरता तथा स्वतंत्र विदेश नीति संबंधी लक्ष्यों से द्विपक्षीय संबंध और मजबूत हुए हैं।

राजनीतिक संबंध

अपनी – अपनी स्वतंत्रता के लिए दोनों देशों के द्वारा किए जा रहे संघर्षों में, जवाहरलाल नेहरू तथा इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो की अगुवाई में भारत एवं इंडोनेशिया के राष्ट्रीय नेतृत्वों ने एशिया एवं अफ्रीका की आजादी के लिए किए जा रहे आंदोलनों में एक – दूसरे का काफी सहयोग किया और बाद में, वर्ष 1955 में बाडुंग सम्मेलन में अफ्रीका – एशियाई तथा निर्गुट आंदोलनों की नींव रखी तथा वर्ष 1991 में भारत द्वारा 'पूर्व की ओर देखो नीति' को अपनाने के बाद से, दोनों देशों के बीच राजनीतिक, सुरक्षा, रक्षा, वाणिज्यिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों में द्वपिक्षीय संबंधों में काफी तेजी से प्रगति हुई है। वर्तमान सरकार पूर्वी एशिया के साथ संबंधों को और गहन करना चाहती है और इसलिए ''पूरब में काम करो'' के रूप में अपनी नीति का बिलकुल उपयुक्त शीर्षक रखा है।

जनवरी, 2011 में, राष्ट्रपति युधोयोनी की राजकीय यात्रा वर्ष 2005 में राष्ट्रपति श्री एस बी युधेयोनो के सरकारी दौरे के दौरान, दोनों देशों के बीच रणनीतिक भागीदारी स्थापित करने संबंधी एक संयुक्त घोषणा पर हस्ताक्षर किए गए। जनवरी, 2011 में, राष्ट्रपति युधोयोनी ने भारत के गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारत का दौरा किया। इस यात्रा के दौरान, 16 अंत: सरकारी करारों पर हस्ताक्षर किए गए जिनमें प्रत्यर्पण संधि, परस्पर विधिक सहायता संधि, व्यापार मंत्रियों का द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित करने संबंधी समझौता ज्ञापन, तेल एवं गैस के क्षेत्र में सहयोग संबंधी समझौता ज्ञापन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग संबंधी समझौता ज्ञापन और परस्पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आदान प्रदान शामिल है। इसके अलावा, इस यात्रा के दौरान एक प्रख्यात व्यक्ति समूह स्थापित करने तथा रक्षा, गृह, तेल एवं गैस, कोयला, विद्युत, नवीकरणीय ऊर्जा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यटन, स्वास्थ्य एवं शिक्षा मंत्रियों की बैठकें नियमित रूप से आयोजित करने का निर्णय लिया गया। भारत और इंडोनेशिया एक द्विपक्षीय व्यापक आर्थिक सहयोग करार के लिए वार्ता शुरू करने पर सहमत हुए हैं। दोनों पक्ष वैकल्पिक रूप से एक दूसरे के देश में व्यापार एवं निवेश मंच, ऊर्जा मंच तथा http://www.indianembassyjakarta.com/index.php/2013-05-20-10-02-04-105354 सी ई ओ मंच का आयोजन करने पर भी सहमत हुए हैं।

अक्टूबर 2013 में प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह की राजकीय यात्रा प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 10-12 अक्टूबर, 2013 को इंडोनेशिया का दौरा किया। इस यात्रा के दौरान स्वापक दवाओं के अवैध व्यापार के विरूद्ध सहयोग, आपदा प्रबंधन में सहयोग तथा भ्रष्टाचार के विरूद्ध सहयोग जैसे मुद्दों पर एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए। दोनों नेताओं ने रणनीतिक आबंध, रक्षा तथा सुरक्षा सहयोग, व्यापक आर्थिक भागीदारी, सांस्कृतिक तथा दोनों देशों की जनता के बीच संबंध एवं आम चुनौतियों का सामना करने हेतु सहयोग के क्षेत्रों में रणनीतिक भागीदारी को सुदृढ़ करने हेतु पांच स्तरीय पहल को अपनाने पर सहमति व्यक्त की।

शिखर सम्मेलन व मंत्री स्तर पर हाल की बैठक : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25वें एशियन शिखर सम्मेलन के अतिरिक्त समय में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोकोविडोडो से 13 नवम्बर, 2014 को ने पीटॉव में मुलाकात की। दोनों देशों ने व्यापार एवं निवेश बढ़ाने के बारे में सहमति व्यक्त की और अपने व्यावसायिक एवं राजनीतिक नेतृत्व के परस्पर दौरे में वृद्धि की।

विदेश एवं प्रवासी भारतीय मामले मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने 60वें एशिया – अफ्रीका सम्मेलन समारोह (ए ए सी सी) में भाग लेने के लिए 21 से 24 अप्रैल 2015 के दौरान जकार्ता का दौरा किया। उन्होंने ए ए सी सी के दौरान अतिरिक्त समय में इंडोनेशिया के उप राष्ट्रपति श्री मुहम्मद जुसुफ काला तथा इंडोनेशिया की पूर्व राष्ट्रपति एवं पीडीआई-पी की अध्यक्ष सुश्री मेगावटी सुकर्णोपुत्री से मुलाकात की। विदेश राज्य मंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) विजय कुमार सिंह ने 2015 में दो बार इंडोनेशिया का दौरा किया। विदेश राज्य मंत्री (वी के एस) की पहली यात्रा जकार्ता में 60वें ए एसी सी की मंत्री स्तरीय बैठक में भागीदारी के लिए थी। विदेश राज्य मंत्री (वी के एस) ने ए ए सी सी के दौरान अतिरिक्त समय में इंडोनेशिया गणराज्य की विदेश मंत्री सुश्री रेटनो लेस्टारी प्रियांसरी मारसुदी के साथ बातचीत की। उन्होंने पुन: 22 और 23 अक्टूबर 2015 को आई ओ आर ए मंत्री परिषद की बैठक में भाग लेने के लिए पडांग, इंडोनेशिया का दौरा किया।

इंडोनेशिया की ओर से भी अनेक यात्राएं हुई हैं। प्रतिनिधि सदन के उपाध्यक्ष डा. फाडली जोन ने 11 से 14 जून 2015 के दौरान भारत का दौरा किया। उन्होंने भारत के उप राष्ट्रपति श्री एम हामिद अंसारी, संसदीय कार्य मंत्री श्री वेंकैया नायडू, विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज तथा मुख्य निर्वाचन आयुक्त डा. नसीम जैदी के साथ बैठकें की। इंडोनेशिया गणराज्य की राष्ट्रपति सलाहकार परिषद के अध्यक्ष प्रो. डा. श्री अदिर्निंगसिह ने 22 से 25 जून 2015 के दौरान नई दिल्ली एवं चेन्नई का कार्यकारी दौरा किया। इंडोनेशिया गणराज्य के शिक्षा एवं संस्कृति मंत्री श्री अनीस बास्वेदन ने सितंबर 2015 में भारत का दौरा किया तथा संस्कृति, पर्यटन एवं नागर विमानन राज्य मंत्री डा. महेश शर्मा के साथ बैठक की। श्री रामबे कमारूल ज़मान के नेतृत्व में पीपुल्स कंसल्टेटिव असेंबली (एम पी आर) से इंडोनेशिया के एक शिष्टमंडल ने 2 से 6 अक्टूबर 2015 के दौरान भारत का दौरा किया। डी पी आर आयोग I से एक शिष्टमंडल ने 6 से 12 दिसंबर 2015 के दौरान भारत का दौरा किया जिसके बाद डी पी डी से एक शिष्टमंडल ने 10 से 16 दिसंबर 2015 के दौरान भारत का दौरा किया। सुश्री एस्टी अंदायनी, महानिदेशक, लोक राजनय एवं सूचना, विदेश मंत्रालय ने 16 से 18 दिसंबर 2015 के दौरान भारत का दौरा किया।

नवंबर 2015 में भारत के उप राष्ट्रपति की यात्रा : भारत के उप राष्ट्रपति श्री एम हामिद अंसारी ने 1 से 4 नवंबर 2015 के दौरान इंडोनेशिया का दौरा किया। उप राष्ट्रपति की यात्रा ने महत्वपूर्ण समय में हमारी वार्ता में फिर से प्राण फूंकने में मदद की क्योंकि भारत और इंडोनेशिया दोनों ही तेजी से आर्थिक प्रगति के दौर में कदम रख रहे हैं। उप राष्ट्रपति ने इंडोनेशिया गणराज्य के राष्ट्रपति श्री जोको विडोडो, इंडोनेशिया गणराज्य के उप राष्ट्रपति श्री जुसुफ काला, एम पी आर के अध्यक्ष श्री जुल्कीफ्ली हसन, डी पी डी के अध्यक्ष श्री इमरान गुसमन, बाली के राज्यपाल श्री मेड मांगकू पास्टिका, नाह्डलातुल उलमा (एन यू) के नेताओं तथा इंडोनेशिया के प्रख्यात मुस्लिम सामाजिक संगठनों के नेताओं से बात की। उप राष्ट्रपति ने उडयाना विश्वविद्यालय, बाली में महात्मा गांधी की एक आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया। उप राष्ट्रपति की यात्रा के दौरान 3 एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए अर्थात

i. संस्कृति के क्षेत्र में सहयोग पर एम ओ यू
ii. नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग पर एम ओ यू
iii. सुदीरमन कैंपस, देंपसार, बाली में चिकित्सा संकाय में एक आयुर्वेद पीठ की स्थापना के लिए एम ओ यू

विदेश कार्यालय परामर्श तथा संयुक्त कार्य समूह : इंडोनेशिया गणराज्य के विदेश मंत्रालय तथा भारत गणराज्य के विदेश मंत्रालय के बीच तीसरे विदेश कार्यालय परामर्श (एफ ओ सी) का आयोजन 17 दिसंबर 2015 को जकार्ता में हुआ। द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न पहलुओं की जांच करने के लिए दोनों पक्षों ने अनेक संयुक्त कार्य समूहों (जे डब्ल्यू जी) की भी स्थापना की है। 2015 में निम्नलिखित जे डब्ल्यू जी का आयोजन किया गया :
(क) 12 अगस्त 2015 को स्वास्थ्य पर जे डब्ल्यू जी;
(ख) 27 और 28 अक्टूबर 2015 को आतंकवाद की खिलाफत पर जे डब्ल्यू जी;
(ग) 18 नवंबर 2015 को कृषि पर जे डब्ल्यू जी; और
(घ) 23 नवंबर 2015 को कोयला पर जे डब्ल्यू जी।

आर्थिक एवं वाणिजयिक संबंध

इंडोनेशिया एशिया क्षेत्र में भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापार भागीदार बन गया है। द्विपक्षीय व्यापार जो वर्ष 2007-08 में 6.9 बिलियन अमरीकी डॉलर था, वर्ष 2014-15 में बढ़कर 19.03 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया है। भारत इंडोनेशिया से कच्चे खजूर तेल का सबसे बड़ा क्रेता है। कोयला, खनिज, रबर, लुगदी एवं कागज तथा हाइड्रोकार्बन का आयात करता है। भारत परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पाद, मकई, वाणिज्यिक गाड़ी, दूरसंचार उपस्कर, तेलहन, पशु आहार, कपास, इस्पात के उत्पाद और प्लास्टिक के समान इंडोनेशिया को निर्यात करता है। भारत इंडोनेशिया को औषधीय पदार्थ और इनसे बने उत्पाद प्रचुर मात्रा में निर्यातकरता है।

जनवरी, 2011 में राष्ट्रपति योधोयोनो के भारत में सरकारी दौरे के दौरान, 16 अंत: सरकारी करारों तथा 18 व्यावसायिक करारों, जिनका कुल मूल्य 15 बिलियन अमरीका डॉलर का था, पर हस्ताक्षर किए गए। अक्टूबर, 2013 में प्रधानमंत्री के इंडोनेशिया दौरे के दौरान, इन समझौता ज्ञापनों के क्रियान्वयन की प्रभावी निगरानी करने; एक दूसरे की राष्ट्रीय अवसंरचनात्मक विकास योजनाओं *http://www.indianembassyjakarta.com/index.php/2013-05-20-10-02-04-5753273*, पी पी बी मोड के माध्यम सहित, में निवेश को सुगम बनाने; तथा भारत, इंडोनेशिया तथा तीसरे देशों में संयुक्त निवेश हेतु विशिष्ट परियोजनाओं की पहचान करने के लिए एक उच्च स्तरीय कार्यबल गठित करने पर सहमति हुई। नवंबर 2015 में राष्ट्रपति जोको विडोडो ने भारत के साथ व्यापार एवं निवेश से संबंधित सभी मुद्दों की निगरानी के लिए परिवहन मंत्री श्री इग्नैटियस जोहान को संपर्क के रूप में नियुक्त किया।

मिशन ने निवेश बोर्ड, स्थानीय वाणिज्य मंडल, क्षेत्रीय सरकारों और दौरे पर आने वाले भारतीय सरकारी एवं औद्योगिक प्रतिनिधिमंडल का भारतीय व्यवसाय मंच (आई बी एफ), जो इंडोनेशिया में भारत के सभी कारोबारी हितों का प्रतिनिधित्व करने वाला संगठन है, के साथ अनेक परस्पर संवाद कार्यक्रम आयोजित किए। हाल ही में दूतावास द्वारा अनेक वाणिज्यिक कार्यक्रमों / यात्राओं का आयोजन / समन्वय किया गया है। मिशन ने विगत दो वर्षों के दौरान, अनेक बाजार अध्ययनों को तैयार किए जिसे भारत के वाणिज्य विभाग, उद्योग एसोसिएशनों तथा अन्य हितधारकों के साथ साझा किया गया।

सांस्कृतिक संबंध :
दोनों देशों के बीच काफी घनिष्ठ सांस्कृतिक संबंध रहा है। यह मिशन जवाहरलाल नेहरू भारतीय संस्कृति केंद्र (जे एन आई सी सी) का प्रचालन करता है जो भारतीय शास्त्रीय संगीत, भारतीय शास्त्रीय नृत्य (कथक एवं भरतनाट्यम), योगा की नियमित कक्षाओं का आयोजन करता है और हिंदी एवं तमिल भाषा सीखाता भी है।

इंडोनेशिया की आबादी की युवा पीढ़ी से जुड़ने के लिए भारतीय दूतावास के फेसबुक पेज और ट्विटर एकाउंट का सृजन किया गया है, जो विश्व में सोशल मीडिया के सबसे बड़े प्रयोक्ताओं में से एक हैं। दूतावास ने दो यूट्यूब वीडियों का निर्माण किया जिनका शीर्षक ''ओल्ड हेरिटेज न्यू पार्टनरशिप'' और ''इंडिया - इंडोनेशिया : ऐन एनड्योरिंग रिलेशनशिप'' था तथा भारत पर अनेक प्रकाशन निकाले गए जिसमें भारत की ताकतों का विस्तार से उल्लेख किया गया। बहासा भाषा में ''स्टडिंग इन इंडिया'' शीर्षक से एक विशेष प्रकाशन भी किया गया ताकि भारत में उच्च शिक्षा में अध्ययन करने को इच्छुक इंडोनेशिया के छात्रों को सुविधा प्राप्त हो सके। मिशन ने भारी संख्या में इंडोनेशिया के लोगों को संबोधित करने के लिए बहास इंडोनेशिया में वाणिज्य, संस्कृति, योग, द्विपक्षीय संबंध आदि से संबंधित अनेक विषयों पर 16 प्रकाशन निकाले हैं।

सहाबट इंडिया : इंडोनेशिया में भारत महोत्सव 2015 'सहाबट इंडिया - इंडोनेशिया में भारत महोत्सव' का उद्घाटन 26 जनवरी 2015 को इंडोनेशिया की पूर्व राष्ट्रपति माननीया सुश्री मेगावटी सुकर्णोपुत्री द्वारा किया गया। यह महोत्सव 26 जनवरी से 15 अगस्त 2015 तक आयोजित किया गया। भारत महोत्सव के दौरान जकार्ता के अनेक प्रतिष्ठित स्थानों में लोक नृत्य, नृत्य नाटक, कठपुतली शो, संगीत शो, प्रदर्शनी, सेमिनार, माल संवर्धन जैसे 35 विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा बालीवुड की फिल्में, वृत्तचित्र तथा इसी तरह की चीजें दिखाई गई। इसके अलावा, दूतावास ने बाली, योग्यकार्ता, बांडुंग, सुरबाया, सुरकार्ता तथा मेडान सहित इंडोनेशिया के 15 अन्य शहरों में महोत्सव के सेग्मेंट का आयोजन किया। इससे इंडोनेशिया के विभिन्न शहरों में रहने वाले लोगों को भारत की झलक प्राप्त करने में मदद मिल जिससे आपसी समझ सुदृढ़ होगी। दूतावास ने ''सहाबट इंडिया - इंडोनेशिया में भारत महोत्सव 2015'' के विभिन्न पहलुओं पर 3 यूट्यूब वीडियो का भी निर्माण किया है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को सवेरे इंडोनेशिया के चार शहरों - जकार्ता, बाली, मेडन और सुरबाया में पूरे जोश एवं उत्साह के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम बहुत सफल हुआ क्योंकि जर्काता, बाली, मेडन और सुरबाया में आयोजित समारोह में भिन्न - भिन्न आयु वर्ग के लगभग 10000 व्यक्तियों और पेशेवरों ने भाग लिया। मिशन ने पहले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर एक यूट्यूब वीडियो का भी निर्माण किया है।

इंडोनेशिया में भारतीय समुदाय

इंडोनेशिया में भारतीय मूल के लगभग 100,000 इंडोनेशियाई हैं, जो मुख्यत: ग्रेटर जकार्ता, मेडान, सौरबाया तथा बांडुंग में रहते हैं। वे मुख्यत: व्यापार एवं खेल की वस्तुओं के व्यापार कार्य से जुड़े हैं। है। इंडोनेशिया में लगभग 10,000 भारतीय नागरिक रह रहे हैं जो इंजीनियर, परामर्शदाता, चार्टर्ड अकाउटेंट, बैंकर और अन्य प्रकार के पेशेवर हैं। इंडोनेशिया में भारतीय समुदाय के लोगों को काफी सम्मान प्राप्त है। वे सामान्यत: संपन्न हैं। कुछ भारतीय समुदाय के लोग स्थानीय एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियों में ऊंचे पदों पर आसीन हैं। अगस्त, 2012 में राजदूतावास ने एक भारतीय सांस्कृतिक फोरम (आई सी एफ) की स्थापना की जो 31 भारतीय सामाजिक संगठनों का अम्ब्रेला संगठन ।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय राजदूतावास, जकार्ता वेबसाइट
http://www.indianembassyjakarta.com/

भारतीय दूतावास, जकार्ता का फेसबुक पृष्ठ:
https://www.facebook.com/IndiainIndonesia

भारतीय दूतावास, जकार्ता का ट्विटर अकाउंट:
https://twitter.com/@IndianEmbJkt

भारतीय दूतावास, जकार्ता का यू ट्यूब चैनल :
http://www.youtube.com/user/IndianEmbJkt

इंडिया ग्लोबल- भारत और इंडोनेशिया के रिश्तों को प्रदर्शित करता एआईआर एफएम गोल्ड का कार्यक्रम:
http://www.youtube.com/watch?v=YM6DXyyHlkM

***

जनवरी, 2016